पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

नेपोटिज्म पर कृति सेनन ने तोड़ी चुप्पी

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

उल्हास विकास

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

■ वर्ष : 42 ■ अंक : 224 ■ गुरुवार, 28 नवंबर 2024 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

ANDROID APP ON Google play Install now /ulhasvikas

संपादक – हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.)

Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

संक्षेप...

पुरानी रंजिश को लेकर 3 पर चाकू से हमला

भिवंडी. भिवंडी तालुका के भादवड़ नाका इलाके में 2 लोगों ने आपस में मिलीभगत कर पुराने झगड़े का कारण पूछने गए थे.उसी बीच एक ने चाकू निकाल कर दो भाइयों और उनके एक दोस्त पर चाकू से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया.पुराने झगड़े से उपजे विवाद पर कल्पेश पाटिल और कामेश पाटिल दोनों के खिलाफ शांतिनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है.चाकू के हमले में गंभीर रूप से घायल हुए लोगों के नाम कपिल गुरुनाथ पाटिल, ज्ञानेश्वर और उनके दोस्त अन्ना राव है. उक्त दोनों आरोपी और घायल तीनों भादवड़ गांव में रहते हैं और कुछ महीने पहले उनके बीच झगड़ा हुआ था. दोपहर 2:30 बजे जब कपिल और उसका दोस्त अन्ना खेत पर जा रहे थे, तभी कपिल का भाई ज्ञानेश्वर कल्पेश और कामेश से पिछले झगड़े के बारे में पूछने गया, उसी समय कल्पेश ने कपिल के सिर में, ज्ञानेश्वर पर चाकू से बाएं ओर उसकी कमर पर और अन्ना राव की कमर पर बायीं ओर चाकू से हमला कर दिया. हमले में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गये हैं. शांतिनगर पुलिस स्टेशन में कल्पेश और कामेश के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है.

पप्पू कालानी पर FIR दर्ज

भाजपा विधायक कुमार आयलानी ने की शिकायत

- मतदान दिवस पर आयलानी के कार्यालय में की कालानी ने स्टंटबाजी
- मिर्ची के पकोड़े खाना पड़ा महंगा
- पप्पू कालानी व उनके साथियों पर धमकी व डराने का आरोप

उल्हासनगर. भाजपा विधायक कुमार आयलानी की शिकायत पर पूर्व विधायक पप्पू कालानी और उसके 15 से 20 आपराधिक प्रवृत्ति के साथियों के खिलाफ उल्हासनगर पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराई है. विधायक कुमार आयलानी ने इस मामले में कालानी पर धमकी, दबाव और हिंसा का आरोप लगाते हुए अपने परिवार और कार्यकर्ताओं की सुरक्षा का मुद्दा शिकायत में उठाया है। इस शिकायत के बाद पूर्व विधायक पप्पू कालानी जो हत्या के मामले में पैरोल पर बाहर हैं उनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं क्योंकि इस शिकायत के बाद उन्हें वापस ले भी जाना पड़ सकता है।

भाजपा विधायक कुमार आयलानी की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के मुताबिक विधानसभा चुनाव मतदान के दिन यानी 20 नवंबर 2024 को दोपहर तीन बजे आयलानी अपने जनसंपर्क कार्यालय के बाहर कार्यकर्ताओं से चर्चा कर रहे थे. उस समय पूर्व विधायक सुरेश उर्फ पप्पू कालानी अपने 15 से 20 गुंडे जैसे साथियों के साथ उनके ऑफिस के बाहर आए. इसी दौरान पप्पू कालानी ने इशारों से आयलानी को गाली देकर बुलाया और धमकी दी. आयलानी ने अपनी शिकायत में कहा कि इस घटना के दौरान कुमार आयलानी की पत्नी की बहन को भी पप्पू कालानी ने डराने-धमकाने की कोशिश की. मामला बढ़ने से पूर्व ही आयलानी ने अपने साली को सुरक्षित स्थान पर ले गए। हालांकि कुमार आयलानी ने अपनी शिकायत में इस बात का भी जिक्र किया है कि कार में वापस जाते समय पप्पू कालानी ने उंगली से गोली मारने का नाटक करते हुए उन्हें धमकी भी दी थी.

विधायक कुमार आयलानी ने सुरेश उर्फ पप्पू कालानी और उसके साथियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं और बताया है कि उनके परिवार और कार्यकर्ताओं को उनसे खतरा है. उन्होंने इस मामले में केस दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है. वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने कहा कि उल्हासनगर पुलिस स्टेशन ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी के खिलाफ कानूनी जांच चल रही है।

क्या पप्पू कालानी को फिर जेल जाना पड़ेगा?

पुलिस ने आश्वासन दिया, घटना गंभीर है और आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। अब सभी की निगाहें पुलिस जांच और अदालती कार्यवाही में आगे के घटनाक्रम पर हैं। यह देखना अहम होगा कि यह घटना उल्हासनगर की राजनीति को किस दिशा में ले जाती है। इस घटनाक्रम में पप्पू कालानी द्वारा इस स्टंटबाजी के दौरान मिर्ची के पकोड़े खाने का वीडियो जमकर वायरल हुआ था। यह भी कहा जा रहा है कि कालानी की हार का यह प्रमुख कारण है। अब यह कृत्य कालानी को कितना भारी पड़ेगा इसकी शुरुआत हो चुकी है जिसमें कालानी की हार और पुलिस में मामला दर्ज होना। ऐसे में अब यह मामला कहीं उन्हें वापस सलाखों के पीछे न डाल दें इसकी कोशिशें आयलानी द्वारा की जा रही है।

सेक्स रैकेट चलाने वाली महिला एजेंट गिरफ्तार

- महिला दलाल के चंगुल से 2 लड़कियों का रेस्क्यू

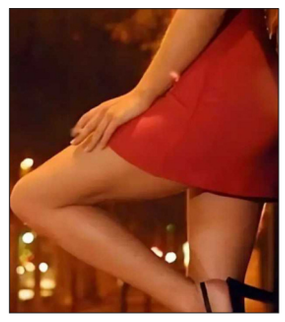

अंबरनाथ. ठाणे शहर एएचटीसी की पुलिस निरीक्षक चेतना चौधरी एवं उनकी पुलिस टीम ने अंबरनाथ पूर्व में एक होटल के पास से बोगस ग्राहक और पंच को भेजकर, ट्रैप लगाकर क्राइम ब्रांच की टीम ने छापा मारकर एक महिला एजेंट को हिरासत में लेकर उक्त महिला के चंगुल से 2 पीड़ित लड़कियों का रेस्क्यू किया है.

महिला एजेंट ग्राहकों के मोबाइल व्हाट्सएप पर पीड़ित लड़कियों के फोटो भेजकर विगत एक वर्ष से ग्राहकों को देह व्यापार के लिए लड़कियां सप्लाई कर रही थी. ठाणे शहर एएचटीसी की पुलिस निरीक्षक चेतना चौधरी को गुप्त सूचना मिली थी कि अंबरनाथ पूर्व के शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन की हद में शिवाजी चौक के एक होटल के पास एक महिला एजेंट ग्राहकों को मोबाइल व्हाट्स एप पर पीड़ित लड़कियों के फोटो भेजकर देह व्यापार के लिए लड़कियां सप्लाई करने आने वाली है. जाल बिछाकर दलाल महिला को गिरफ्तार किया गया है. महिला को न्यायालय में पेश किया गया है. ऐसी जानकारी हमें शिवाजी नगर के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रमेश पाटिल ने दी है. महिला एजेंट देह व्यापार के लिए कौन सा लॉज इस्तेमाल करती थी, उसके और कितने साथीदार हैं और कितनी लड़कियों को दलाल महिला ने देह व्यापार में धकेला है, उसकी छानबीन की जा रही है. महिला पर भारतीय न्याय संहिता और पीटा एक्ट के विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है. दोनों पीड़ित लड़कियों को महिला सुधार गृह में भेजने की प्रक्रिया शुरू है. ठाणे शहर आयुक्तालय के वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक चेतना चौधरी, पीएसआई निलेश क्षीरसागर व अन्य पुलिस कर्मियों ने ये कार्रवाई की है.

नेवाली में कूड़े का ढेर

- मुख्य मार्गों पर कचरे का अंबार

कल्याण. कचरा निस्तारण की कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण नेवाली में कचरे का अंबार लग गया है. इन कूड़े के ढेरों के कारण इलाके में भारी दुर्गंध पैदा हो गई है. लेकिन प्रशासन द्वारा लगातार इस स्थिति को नजरअंदाज किये जाने से नागरिक काफी हैरान हैं.

अंबरनाथ के नेवाली में कचरे की समस्या गंभीर हो गई है. मुख्य सड़क के किनारे कूड़े का ढेर लग गया है। अंबरनाथ तालुका के प्रसिद्ध हाजीमलंग में दुनिया भर से भक्त दर्शन के लिए आते हैं। हाजीमलंग क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग यहां आते हैं। सरकार द्वारा स्वच्छ भारत अभियान लागू किया गया है। लेकिन ठाणे जिले के अंबरनाथ तालुका में चल रही इस योजना की तस्वीर पिछले कुछ महीनों से चल रही है। कूड़े के पहाड़ से नागरिक हैरान हैं. ऐसे में यह देखना अहम होगा कि शहरवासियों को कूड़े की दुर्गंध से कब मुक्ति मिलेगी.

दैनिक 'उल्हास विकास' के उप संपादक एवं वरिष्ठ पत्रकार मोहन सिंह धामी एवं हेमा धामी के पुत्र रोहन सिंह का शुभविवाह रूपाली सिंह के साथ कल्याण पश्चिम स्थित वैष्णवी मैरिज लॉन में संपन्न हुआ। इस मौके पर आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली, मनराज प्रतिष्ठान के ट्रस्टी मनोज राजन नाथानी, मुंबई हिंदी पत्रकार संघ के अध्यक्ष आदित्य दुबे वर-वधू को आशीर्वाद देने के लिए उपस्थित थे।

2 लाख का हफ्ता मांगने वाले 4 पत्रकारों पर मामला दर्ज

उल्हासनगर. टेंपो से अवैध रूप से गुटखा ले जा रहे ड्राइवर के साथ मारपीट करने और टेम्पो मालिक के घर में घुसकर तोड़फोड़ कर दो लाख की रंगदारी वसूलने वाले चार पत्रकारों के खिलाफ विट्ठलवाड़ी पुलिस में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया. पत्रकारों ने भी रंगदारी मांगने वाले शख्स के खिलाफ मारपीट का मामला भी दर्ज कराया है और पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर से किए गए अपराध को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है.

मिली जानकारी के मुताबिक, उल्हासनगर कैंप नंबर 4 इलाके में रहने वाली गीता आहूजा (उम्र 40) ने रंगदारी का मामला दर्ज कराया है. दर्ज शिकायत के अनुसार पत्रकार सुदाम चंद्रभुवन ने विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन की सीमा में एक टेम्पो से अवैध रूप से गुटखा ले जा रहे ड्राइवर रवि बेदी को गीता आहूजा का दामाद ढींगरा समझकर रोका और उसकी पिटाई कर दी और गुटखा के खिलाफ कार्रवाई करने की धमकी दी. उन्होंने 22 नवंबर की सुबह गीता आहूजा के घर में घुसकर यह भी धमकी दी कि अगर तुमने 2 लाख रुपये नहीं दिए तो हम अपने अखबार में तुम्हारे खिलाफ खबर प्रकाशित करेंगे। इस बीच, 23 नवंबर को गीता आहूजा ने विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 329 (4) के तहत चार पत्रकारों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

पत्रकार सुदाम खरकर, चंद्रभुवन विश्वकर्मा, अभिषेक शिंगवान और मीनल पवार के खिलाफ 351(2), 3(5) के तहत रंगदारी का मामला दर्ज किया गया है. वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल पडवत ने जानकारी दी है कि गीता आहूजा और उसके साथियों के खिलाफ भी मारपीट का मामला दर्ज किया गया है. उन्होंने यह भी बताया कि चूंकि यह अपराध का गंभीर मामला है, इसलिए पुलिस ने योग की दिशा में जांच शुरू कर दी है.

दिलचस्प बात यह है कि वरिष्ठ पुलिस इंस्पेक्टर अनिल पडवाल ने बताया कि जिन चार पत्रकारों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, वे सभी पुलिस रिकॉर्ड में अपराधी हैं.

मतगणना केंद्र परिसर में लगा कचरे का ढेर

- ये कचरा उठाएगा कौन?
- विद्यालय परिसर में पड़ा है कचरा ही कचरा

अंबरनाथ. अंबरनाथ मतदार संघ की मतगणना शहर के महात्मा गांधी विद्यालय में 23 नवंबर को संपन्न हुई. यहां पर चुनाव आयोग द्वारा चुनाव कर्मचारियों, अधिकारियों, पुलिस स्टाफ के लिए खाने-पीने का प्रबंध किया गया था. खाने-पीने के बाद स्कूल परिसर में प्लास्टिक की थालियां, चाय और पानी के यूज एंड थ्रो वाले प्लास्टिक के गिलास व अन्य कचरा यहां पर फेंक दिया गया था. मतगणना के दिन तक सफाई कर्मचारियों को यहां पर देखा गया लेकिन दूसरे दिन से यहां पर जगह-जगह कचरे का ढेर देखा गया. इस कचरे को कौन उठाएगा? गांधी विद्यालय एक प्राइवेट संस्था द्वारा संचालित है. उन्होंने इतनी बड़ी जगह और तमाम सुविधाएं चुनाव प्रक्रिया पूरी करने के लिए दी. नगर परिषद प्रशासन का कर्तव्य था कि मतगणना के दूसरे दिन सफाई कर्मचारियों से यहां का कचरा उठाकर स्वच्छ करके देते. सोमवार को स्कूल शुरू हुआ तो विद्यार्थियों को कचरे के ढेर के आसपास खेलता देखा गया. चारों और दुर्गंध फैला हुआ था. अब प्रश्न ये उठता है कि स्कूल परिसर में पड़े कचरे के ढेर को कौन उठाएगा?

भिवंडी में मंगलवार रात्रि हल्का भूकंप का झटका

भिवंडी. भिवंडी शहर व ग्रामीण भाग में मंगलवार रात्रि करीब 8.40 पर भूकंप का हल्का झटका 2 से 3 सेकंड का महसूस हुआ. भूकंप के कम्पन से कोई नुकसान नहीं हुआ है.क्षेत्रीय नागरिकों द्वारा भादवड, टेमघर पाडा,शांतीनगर एवं ग्रामीण भाग सरवली, राजनोली, सोनाले आदि गांव में झटका महसूस किया गया.अचानक भूकंप का झटका महसूस होते ही लोग डर वश घर से बाहर निकल गए. उक्त घटना के बारे में भिवंडी तहसीलदार अभिजीत खोले ने बताया कि,भूकंप की कोई सूचना रिश्तल स्केल पर नहीं आई है. घटना की सूचना हैदराबाद प्रयोगशाला भेजी गई है,जांच के बाद ही कुछ स्पष्ट होगा.

उल्हासनगर में जुए के अड्डों की भरमार

- जुए के अड्डा पर छापा, 16 गिरफ्तार
- शंकर कुकरेजा नामक जुआ मटका चालक पर पुलिस मेहरबान
- छोटा सरदार, छोटू आदि जुआ चालक का धंधा धड़ल्ले से जारी
- कल्याण क्राइम ब्रांच की कार्रवाई
- आहुजा चला रहा ऑनलाईन जुआ कारोबार

उल्हासनगर शहर में अवैध धंधों की भरमार लगी हुई है। जिसकी रोकथाम के लिए पुलिस पूरी तरह फेल साबित हुई है। उल्हासनगर-2 खेमानी परिसर फक्कड़ मंडली में शंकर कुकरेजा का वर्षों से जुआ मटके का कारोबार धड़ल्ले से चलता है लेकिन पुलिस उन पर इस कदर मेहरबान है कि उसका बाल भी बांका नहीं कर पा रही है। उल्हासनगर पुलिस थाना क्षेत्र में छोटा सरकार, छोटू पाटील आदि जुआ चालकों द्वारा यह अवैध कारोबार चल रहा है। सेंट्रल, विट्ठलवाड़ी व हिललाईन पुलिस क्षेत्र में भी इसी तरह के कई अड्डे चल रहे हैं जिनमें अपराधियों को पनाह दी जा रही है। आहूजा नामक व्यक्ति भी ऑनलाइन जुआ का कारोबार पिछले कई समय से पुलिस की देखरेख में चला रहा है। वहीं इस जुएं के कारोबार का भंडाफोड़ तब हुआ जब कल्याण क्राईम ब्रांच ने उल्हासनगर-3 में एक जुए के अड्डे पर छापा मार और जुआ खेलते 16 लोगों को गिरफ्तार किया है। 16 लोगों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है. क्या पुलिस उपायुक्त क्षेत्र में चल रहे इस अवैध कारोबार पर पुलिस लगाम लगाने में सफल होगी। ऐसी चर्चा जोरों पर चल रही है।

अंबरनाथ नपा कर्मचारी शैलेष सालुंखे का मिनी ओलंपिक के लिए चयन

- पॉवर लिफ्टिंग में हुआ है चुनाव

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद के कर्मचारी शैलेष रामू सालुंखे की पॉवर लिफ्टिंग गेम में मिनी ओलंपिक के लिए चुनाव हुआ है. ये खेल रशिया में होगा. ऐसी जानकारी हमें नगर परिषद प्रशासन की ओर से दी गई है. शैलेष ने थाईलैंड में इंटरनेशनल पॉवर लिफ्टिंग स्पर्धा में 22 देशों के मुकाबले में प्रथम स्थान प्राप्त किया था, जिसके लिए अंबरनाथ नपा के प्रशासक डॉ. प्रशांत रसाल ने अपने कर्मचारी का गौरव करके थाईलैंड में हुई स्पर्धा का सारा खर्च उठाया था.

मुख्याधिकारी अभिषेक पराडकर के सहकार्य से गृहकर विभाग के अधिकारी नरेंद्र संखे, प्रशांत राणे एवं सभी कर्मचारियों ने मुझे प्रोत्साहन दिया. इसलिए मैंने आगे तक कदम बढ़ाया है, ऐसा शैलेष ने कहा है. अंबरनाथ नपा के कर्मचारी शैलेष शहर पश्चिम के फुलेनगर का निवासी है. गत 20 वर्षों से नपा के जिम में कोच का काम कर रहे हैं. 2015 में उन्होंने मंगलोर में भारत श्रेष्ठ पदक का मान प्राप्त किया. 2013 में बंगलूरु में केसरी स्वर्ण पदक प्राप्त किया था. 2016 में विशाखापट्टनम में भारत श्रीमान, 2024 में पॉवर लिफ्टिंग स्पोर्ट में महाराष्ट्र के मुंबई में प्रथम स्थान प्राप्त करके अंबरनाथ नगर परिषद का नाम उज्ज्वल किया. 2024 में 10.9.2024 को ग्वालियर में प्रथम क्रमांक, 10.11.2024 को थाईलैंड में पॉवर लिफ्टिंग में 22 देशों में प्रथम स्थान प्राप्त करके देश का नाम रोशन किया. अब वह पॉवर लिफ्टिंग स्पोर्ट्स मिनी ओलंपिक के लिए सिलेक्ट किए गए हैं. ऐसी जानकारी प्रेस विज्ञप्ति द्वारा दी गई है.

ठाणे जिले में गिरा दलित वोटों का प्रतिशत

वंचित को 48194; बहुजन को 13910 वोट

कल्याण. कभी चुनावी राजनीति में निर्णायक माने जाने वाले दलित वोट बैंक में पिछले कुछ चुनावों से कम से कम ठाणे जिले में गिरावट शुरू हो गई थी। विधानसभा चुनाव नतीजों में 13 विधानसभा क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतारने वाली वंचित बहुजन अघाड़ी को जिले में 48 हजार 194 वोट मिले. 14 विधानसभा क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतारने वाली बहुजन समाज पार्टी को 13 हजार 910 वोट मिले. इस चुनाव में इन दोनों प्रमुख पार्टियों को 62 और 174 वोट मिले हैं. इस साल के लोकसभा चुनाव में इन दोनों पार्टियों को 47 हजार 526 वोट मिले. विधानसभा चुनाव में इसमें थोड़ी बढ़ोतरी हुई है.

दलित मतों में गिरावट

यह बात भी सामने आई कि दलितों का वोट कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना के साथ बीजेपी को भी गया. ठाणे शहर, नवी मुंबई, कलवा, मुंब्रा, दिवा, कल्याण, अंबरनाथ, बदलापुर, भिवंडी, मुरबाड इलाकों में दलित मतदाताओं की संख्या अच्छी-खासी है. चूंकि ये वोट चुनाव जीतने के लिए निर्णायक होते हैं, इसलिए राजनीतिक दलों को इन्हें अपने पाले में करने के लिए बड़ी मशक्कत करनी पड़ती है. दिलचस्प बात यह है कि रिपाई के उम्मीदवारों को अच्छा मतदान मिलता था। लेकिन पिछले दो दशकों से चुनावों में बड़ी मात्रा में धन का इस्तेमाल होने लगा और यह वोट बैंक घटने लगा।

■ अंबरनाथ में दलित बाहुल्य

दलित वोट बैंक रिपब्लिकन बहुजन सेना, रिपाई एकता वादी, रिपाई सेक्युलर, रिपब्लिकन सेना, बहुजन मुक्ति पार्टी, रिपाई गवई, रिपाई कांबले, प्रबुद्ध रिपब्लिकन पार्टी, बहुजन समाज पार्टी में बंट गया है। अंबरनाथ क्षेत्र में दलित मतदाताओं का बड़ा बहुमत है. इसलिए पिछले चुनावों में इन छोटी पार्टियों के उम्मीदवार एक-दूसरे के खिलाफ खड़े नजर आए थे. हालांकि प्रकाश अंबेडकर की अगुवाई वाली वंचित बहुजन अघाड़ी ने पिछले लोकसभा चुनाव से बड़ा माहौल बनाया था.

30 हजार वोट पाना भी मुश्किल

ठाणे में कोई वंचित उम्मीदवार नहीं था, कल्याण में वंचित के उम्मीदवार को केवल 18 हजार 741 वोट मिले, जबकि भिवंडी में वंचित ने नीलेश सांभरे को उम्मीदवार बनाया। हालांकि, उन्होंने इसे खारिज कर दिया और निर्दलीय चुनाव लड़ा। वहीं, तीनों लोकसभा क्षेत्रों में बहुजन समाज पार्टी को 30 हजार वोट भी नहीं मिल सके. कभी चुनावी राजनीति में निर्णायक माने जाने वाले दलित वोट बैंक में गिरावट शुरू हो गई है, कम से कम ठाणे जिले में, यह तस्वीर पिछले विधानसभा चुनाव परिणामों में उजागर हुई है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

युद्ध के विरुद्ध भारत की अपील

युद्ध का मैदान अंतिम तौर पर किसी ठोस समाधान की ओर नहीं ले जाता। इसका दूरगामी प्रभाव आसपास के देशों पर ही नहीं, पूरे विश्व पर पड़ता है। इतनी प्रगति का क्या फायदा, जब कोई देश युद्ध को लेकर अत्यधिक आक्रामक होकर दूसरे देशों के लोगों और यहां तक कि अपने नागरिकों का भी भविष्य रसातल में ले जाए। यह दुखद है कि दुनिया आज भी युद्ध के भयावह मंजर देख रही है। एक दूसरे पर महीनों से हमले कर रहे देशों को रोक पाने में संयुक्त राष्ट्र भी असहाय है। हैरत की बात है कि संवाद और कूटनीति के इस दौर में आज चंद देश प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से युद्ध कर रहे हैं, बिना यह सोचे कि उनकी पीढ़ियां दशकों पीछे चली जाएंगी।

विश्व में लगातार बढ़ते संघर्ष के बीच भारत ने एक बार फिर शांति के प्रति अपना सरोकार जाहिर किया है। उसने याद दिलाया है कि युद्ध से कोई ठोस हल नहीं निकलता। रोम में 'एमईडी मेडिटेरेनियन संवाद' के दसवें संस्करण में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पश्चिम एशिया में द्वि-राष्ट्र का समर्थन करते हुए स्पष्ट किया है कि सैन्य अभियानों में बड़े पैमाने पर नागरिकों की मौत को भारत अस्वीकार्य मानता है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों की अवहेलना नहीं की जा सकती। इजराइल-फिलस्तीन संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध में हजारों नागरिक मारे जा चुके हैं। भारी तबाही के दृश्यों ने पूरे विश्व को विचलित कर दिया है। पश्चिम एशिया लंबे समय से संघर्ष का दौर देख रहा है। इससे किसी पक्ष का पलड़ा भारी होता दिखा हो सकता है, लेकिन इससे जन-धन की भारी क्षति हुई। खासतौर पर कमजोर पड़ने वाले देश की वर्षों और दशकों के विकास की उपलब्धियां बर्बाद हो गईं।

ऐसे में युद्धविराम की आवश्यकता हर कोई महसूस कर रहा है। भारत ने इसकी पुरजोर हिमायत की है, क्योंकि संयम बरत कर और परस्पर संवाद को आगे बढ़ाते हुए ही युद्ध क्षेत्र से बाहर समस्या का समाधान निकाला जा सकता है। भारत ने संकेत दिया है कि वह अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक प्रयास के लिए सार्थक योगदान देने के लिए तैयार है। पश्चिम एशिया में तत्काल संघर्षविराम कराने के लिए कुछ बड़े देशों को भी आगे आना चाहिए, क्योंकि शांति कायम होने से ही दुनिया आगे बढ़ेगी।

सर्वे मात्र से कोई मस्जिद मंदिर में तब्दील नहीं होने वाली

मंदिर-मस्जिद विवाद में किसी भी भारतीय नागरिक को इतनी समझ होनी ही चाहिए कि यदि कोई अदालत किसी मस्जिद के सर्वे का आदेश दे देती है तो सर्वे होने मात्र से मंदिर का दावा करने वाले उस पर कब्जा नहीं कर सकते। इसलिए और भी नहीं, क्योंकि 1991 का पूजा स्थल अधिनियम यह कहता है कि सभी धार्मिक स्थल उसी स्थिति में रहेंगे, जैसे वे 15 अगस्त 1947 को थे।

यह अधिनियम धार्मिक स्थलों के मामले में यथास्थिति कायम रखने का आदेश देने के साथ ही इसकी भी अनुमति देता है कि किसी स्थल का धार्मिक स्वरूप जानने के लिए उसका सर्वे हो सकता है। इसी के चलते पहले वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर का सर्वे हुआ और फिर धार, मध्य प्रदेश में भोजशाला परिसर का।

मथुरा की ईदगाह मस्जिद के सर्वे का मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। इससे हर कोई परिचित होगा कि ज्ञानवापी और भोजशाला में सर्वे के दौरान वैसा कुछ भी नहीं हुआ, जैसा संभल में हुआ। संभल में इतना अधिक उपद्रव हुआ कि चार लोगों की जान चली गई और कई लोग घायल हो गए, जिनमें कई पुलिसकर्मी भी हैं। संभल में भीषण पत्थरबाजी यही संकेत कर रही है कि उसके लिए पहले से तैयारी की गई थी।

संभल की जामा मस्जिद को लेकर एक अर्से से यह कहा जा रहा है कि यहां पहले भगवान विष्णु के नाम का हरिहर मंदिर था, जिसे बाबर के आदेश पर तोड़कर वहां मस्जिद बनवाई गई। ऐसा कई इतिहासकार भी कहते हैं। मंदिर की जगह मस्जिद का निर्माण कराए जाने के दावे के आधार पर कुछ

लोग स्थानीय अदालत गए। 19 नवंबर को अदालत ने सर्वे के आदेश दिए।

सर्वे का काम उसी दिन शाम को शुरू हो गया, लेकिन अंधेरा होने के कारण वह पूरा नहीं हो पाया और यह तय हुआ कि आगे फिर किसी दिन होगा। इसे रोकने के लिए ऊपरी अदालत जाने का रास्ता खुला था। लगता है कि उसका सहारा लेने के बजाय कुछ लोगों ने पत्थरबाजी करना बेहतर समझा।

पत्थरबाजी के बीच पुलिस के वाहनों को भी निशाना बनाया गया और गोलीबारी भी की गई। पुलिस की मानें तो जो चार लोग मरे, वह उसकी गोली से नहीं मरे। पता नहीं सच क्या है। अब इस पर खूब बहस हो रही है कि हिंसा क्यों हुई और किसने की? शायद इसका पता चल जाए, लेकिन इससे वे वापस नहीं आने वाले, जिनकी जान चली गई।

पता नहीं संभल में मस्जिद के सर्वे को लेकर क्या अफवाह उड़ाई गई, लेकिन यह तो साफ ही है कि सर्वे के बाद भी यथास्थिति में कोई बदलाव होने वाला नहीं था। आखिर जब अयोध्या में मंदिर के अकाट्य प्रमाण मिलने के बाद भी ऐसा नहीं हो सका तो भला संभल में कैसे हो जाता? यह एक तथ्य है कि ज्ञानवापी और भोजशाला के सर्वे के बाद भी यथास्थिति कायम है।

संभल में जामा मस्जिद के सर्वे से आपा खोने वालों की आपत्ति का यह एक आधार हो सकता है कि आखिर स्थानीय अदालत के मस्जिद के सर्वे के आदेश पर तुरंत अमल क्यों होने लगा, लेकिन क्या इस आपत्ति का जवाब पत्थरबाजी थी? जामा मस्जिद के सदर जफर अली की मानें तो भीड़ इसलिए भ्रमित हो गई, क्योंकि मस्जिद के सर्वे के क्रम में वजूखाने के हौज का पानी बाहर निकाले जाने से लोगों को लगा कि उसकी खोदाई शुरू हो गई है।

यह अजीब और हास्यास्पद है, क्योंकि कथित भ्रमित लोग नकाब पहनकर पत्थरबाजी करते देखे गए। यह पहली बार नहीं, जब सरकार या अदालत के किसी फैसले के खिलाफ सड़कों पर उतरकर हिंसा की गई हो। नागरिकता संशोधन कानून के मामले में भी ऐसा ही देखने को मिला था। तब सड़कों पर उतरकर बड़े पैमाने पर हिंसा की गई थी, जबकि इस कानून का किसी भारतीय नागरिक से कोई लेना-देना नहीं था।

इस हिंसा में सरकारी और गैरसरकारी संपत्ति को आग के हवाले किया गया था और दिल्ली में तो शाहीन बाग इलाके में करीब साल भर तक एक प्रमुख सड़क को घेरकर धरना दिया गया था। यही धरना बाद में दिल्ली में भीषण दंगे का कारण बना, जिसमें 50 से अधिक लोग मारे गए थे।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

यह जानना कि प्रभु हमारे साथ हैं, हमें जीवन की परेशानियों का सामना करने के लिए हिम्मत व धैर्य प्रदान करता है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

ग्रैप-4 के नियम लागू होने का भी फायदा नहीं?

पिछले कई दिनों से राजधानी दिल्ली की हवा कैसी है, यह जगजाहिर है। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि प्रदूषण में लगातार बढ़ोतरी की वजह से यहां प्रतिबंधों के स्तर को और ज्यादा सख्त करने की जरूरत पड़ रही है। इसके बावजूद दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कोई राहत मिलती नहीं दिख रही। हवा में घुले धुएं और धुंध की वजह से लोगों की परेशानियां कम नहीं हो रहीं हैं, सेहत के सामने कई तरह की मुश्किलें गहरा रही हैं। इस मसले पर शीर्ष अदालत तक को सख्ती बरतने का आदेश जारी करना पड़ा है और उसने प्रदूषण पर काबू पाने के लिए लागू किए गए उपायों की निगरानी करने की भी जरूरत बताई है। लगातार बढ़ती मुश्किलों के मद्देनजर इस उम्मीद में दिल्ली में ग्रैप-4 के नियम लागू किए जा चुके हैं कि प्रदूषण से उपजी स्थिति में कुछ सुधार होगा। मगर सरकार की ओर से तमाम उपायों को सख्ती से लागू करने के दावे के बरक्स हकीकत यह है कि राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक चार सौ से ऊपर दर्ज किया गया।

गौरतलब है कि ग्रैप-4 के तहत दिल्ली में बाहर से आने वाले वाहनों के सीमित प्रवेश को लेकर जो नियम लागू किए गए हैं, उनके सख्ती से पालन को लेकर कई सवाल उठे हैं। वाहनों के दिल्ली में दाखिल होने की जगहों पर सख्त निगरानी लागू करने पर जोर देने से लेकर कृत्रिम बारिश कराने तक पर विचार किया जा रहा है। मगर इस क्रम में नियमों के असर और उनके विरोधाभास को लेकर भी ऊहापोह की स्थिति बन रही है।

प्रदूषण की रोकथाम के मद्देनजर पहले ही दिल्ली में पेट्रोल और डीजल से चलने वाली कारों के लिए क्रमशः पंद्रह

और दस वर्ष की सीमा तय की गई है। मगर फिलहाल बाहर से दिल्ली में प्रवेश करने वाली गाड़ियों को जिस तरह प्रतिबंधित किया गया है, उसमें इससे कम अवधि वाले वाहन भी प्रभावित हो रहे हैं। दिल्ली में आवाजाही के लिए सार्वजनिक परिवहन की हालत यह है कि बसों से गंतव्य तक सही समय पर पहुंचना संभव नहीं रह गया है। वहीं मेट्रो भी अब समय और जरूरत के तकाजे के बोझ से दब रही है।

सवाल है कि इस वर्ष फिर ठंड की आहट के साथ ही प्रदूषण की वजह से उपजी समस्या के गहराते जाने के बाद दिल्ली सरकार ने जो शुरुआती उपाय किए, उससे राहत क्यों नहीं मिली! अब ग्रैप-4 के भी नियम लागू किए जाने के बावजूद राजधानी की हालत ऐसी क्यों बनी हुई है कि सुप्रीम कोर्ट को भी स्कूलों के संचालन और अन्य स्तर पर नियंत्रण को लागू करने की हिदायत देनी पड़ी है। प्रदूषण का जो स्तर बना हुआ है, उस पर काबू पाने के लिए हर उचित उपाय किए जाने चाहिए। इससे किसी को असहमति नहीं होगी। मगर क्या इस क्रम में ऐसी स्थिति पैदा होनी चाहिए कि उन उपायों से आम लोगों को राहत मिलने के बजाय उनकी परेशानियों में इजाफा ही हो जाए।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता की दशा जिस पैमाने तक पहुंच गई है, उसमें बाहर से आने वाले वाहनों के यहां सीमित प्रवेश को लेकर लागू नियम का अपना महत्त्व हो सकता है। लेकिन इसके बावजूद अगर दिल्ली के वायु गुणवत्ता सूचकांक में कोई सुधार नहीं हो रहा है, तो इसकी क्या वजहें हैं? प्रदूषण से निपटने के वास्तविक उपायों को लागू करने के मोर्चे पर निरंतरता सुनिश्चित किए बिना तात्कालिक सख्तियों से कितनी राहत मिल सकेगी?

पत्थर पर चोट करने से निकलती है आवाज

जरा हट के

बिहार के औरंगाबाद जिले में एक ऐसा पहाड़ है, जिसकी ध्वनि सुनने के लिए प्रदेश भर से हजारों लोग यहां आते हैं. जी हां, जिले के पवई गांव में पहाड़ी श्रृंखलाओं से घिरे यह झुनझुनवां पहाड़ बोलता है. इसको आवाज आने वाले आगंतुक पर्यटकों को आकर्षित करती है. बता दें कि पहाड़ी श्रृंखलाओं के बीच बसा ये गांव अपनी मनोरम खूबसूरती के लिए जाना जाता है.

ऐसे में इस पहाड़ के निचले सतह पर स्थित ये पत्थर का एक बड़ा सा टुकड़ा इस क्षेत्र की ख्याति प्रदेश भर में बनाए हुए है. गांव के ग्रामीण शंकर यादव ने बताया कि इस टुकड़े पर पत्थर से प्रहार करने से मेटल की आवाज़ आती है. मानो इस पत्थर के भीतर कोई कीमती धातु छिपी हुई है. इस मेटल की आवाज़ से ही यहां के लोगों ने इसे झुनझुनवा पहाड़ नाम दे दिया.

ग्रामीण बताते हैं कि सैकड़ों

साल से स्थित इस पत्थर की ख़ासियत के बारे में जब लोगों को पता चला तो कुछ लोगों ने लालच में आकर इस पत्थर के टुकड़े कर चोरी करने का प्रयास भी किया. जिसके बाद ग्रामीणों ने उन्हें पकड़ लिया और तब से इस गांव के लोगों के संरक्षण में ही ये पत्थर है. इस बड़े पत्थर से ध्वनि कैसे निकलती है, यह एक रहस्य है और इसी वजह को जानने कि कोशिश कई दशकों से की जा रही है. वहीं अभी तक पुरातत्ववेताओं, वैज्ञानिकों ने ये पता नहीं लगाया कि इसमें से मेटल की आवाज़ कैसे आती है.

नव वर्ष पर पहुंचते हैं हजारों पर्यटक

औरंगाबाद जिले का यह जगह बड़ा पिकनिक स्पॉट है. नव वर्ष के अवसर पर हजारों लोग प्रदेश के कोने-कोने से यहां पिकनिक मनाने के लिए आते हैं. वहीं इसकी मनोरम दृश्य को निहारते हैं. ग्रामीणों ने बताया कि पर्यटकों के आने से यहां पर व्यापार भी बढ़ता है. जल्द ही जिला प्रशासन के सहयोग से झुनझुनवा पहाड़ के आस-पास पार्क बनाया जाएगा.

ठंड में अस्थमा के मरीजों को रहना चाहिए सावधान

सर्दी के मौसम में सिर्फ खांसी-जुकाम की समस्या ही नहीं होती है, बल्कि और भी कई परेशानियां बढ़ सकती हैं। इन समस्याओं में अस्थमा और ब्रोंकाइटिस भी शामिल है। जी हां, ठंड के मौसम में इन रेस्पिरेटरी डिजीज के लक्षण बढ़ सकते हैं, जिसकी वजह से व्यक्ति को काफी परेशानी हो सकती है। ऐसा क्यों होता है और इससे कैसे बचाव किया जा सकता है, इस बारे में जानने के लिए हमने डॉ. कुलदीप कुमार ग्रोवर (सी.के. बिरला हॉस्पिटल, गुरुग्राम के प्लमोनोलॉजी और क्रिटिकल केयर के हेड) से बात की। आइए जानें।

■ ठंड में क्यों गंभीर हो सकता है अस्थमा और ब्रोंकाइटिस?

ठंडी हवा और सूजन– ठंडी हवा सांस की नलियों को सिकुड़ा देती है, जिसकी वजह से सांस लेना मुश्किल हो जाता है। इसके कारण अस्थमा और ब्रोंकाइटिस के मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। सर्दी में ब्रोंकाइटिस के मरीजों को ब्रोंकियल स्पास्म और कफ बढ़ सकता है। इसके कारण सांस लेने में तकलीफ शुरू हो सकती है।

कम ह्युमिडिटी– ठंडी हवा में नमी कम होती है, जिससे सांस की नली सूख जाती है और उसमें इरिटेशन होने लगती है। इसके कारण सूजन हो जाती है और बलगम भी बढ़ जाता है। इस वजह से खांसी और सांस लेने में तकलीफ होने लगती है।

वायरल इन्फेक्शन– सर्दी के मौसम में वायरल इन्फेक्शन का खतरा बढ़ जाता है, जो अस्थमा और ब्रोंकाइटिस के लक्षणों को और गंभीर बना सकता है।

एलर्जी– ठंड के मौसम में घर के अंदर ज्यादा समय बिताने से घर की धूल, पालतू जानवरों के बाल आदि एलर्जेंस के संपर्क में आने की संभावना बढ़ जाती है, जो अस्थमा के दौरे को ट्रिगर कर सकते हैं।

हीटर का इस्तेमाल– सर्दी में खुद को गर्म रखने के लिए घरों में हीटर का काफी इस्तेमाल होता है। हीटर के इस्तेमाल से हवा और ड्राई हो जाती है, जिसकी वजह से सांस लेने में तकलीफ हो सकती है।

नहीं तो बढ़ सकते हैं इस बीमारी के लक्षण

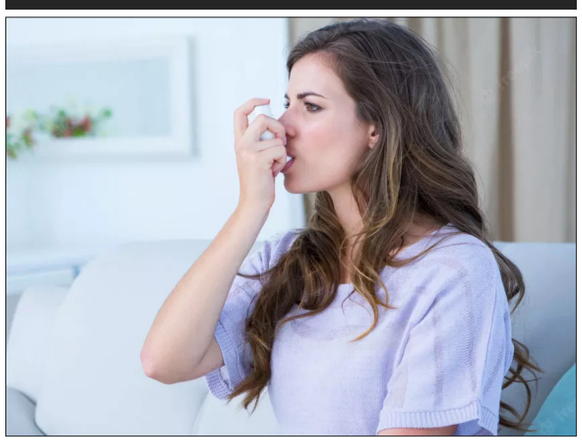

■ ठंड में अस्थमा और ब्रोंकाइटिस के मरीजों को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

स्कार्फ पहनें– सर्दी में बाहर निकलने से पहले मुंह और नाक पर स्कार्फ बांधें। इससे अंदर जाने वाली हवा गर्म होगी और अस्थमा व ब्रोंकाइटिस के लक्षण गंभीर होने से बचाव होगा।

बाहर कम निकलें– कोशिश करें कि बाहर कम जाएं। खासकर अगर बाहर प्रदूषण और ठंड ज्यादा है।

घर की हवा साफ रखें– घर के भीतर की हवा को शुद्ध रखने के लिए एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करें। साथ ही, घर के अंदर की धूल-मिट्टी को साफ करें और अगरबत्ती, मोमबत्ती आदि न जलाएं।

खिड़की बंद रखें– अपने घर की खिड़की सुबह और शाम के वक्त बंद रखें। इससे ठंडी हवा और प्रदूषक घर में नहीं आएंगे।

वैक्सीन लें– फ्लू और निमोनिया जैसी बीमारियों की वैक्सीन लें। इससे इन्फेक्शन का खतरा कम होगा।

इनहेलर– अपना इनहेलर हमेशा अपने साथ रखें और समय से दवाएं लें।

पानी पिएं– खुद को हाइड्रेटेड रखने की कोशिश करें, ताकि गले में म्यूकस न बढ़ें। साथ ही, हेल्दी खाना खाएं।

लक्षणों पर ध्यान– अस्थमा और ब्रोंकाइटिस के मरीजों को अपने लक्षणों पर ध्यान देना चाहिए और समय-समय से डॉक्टर से संपर्क करें।

शेजवान आलू रोल

खाना-खजाना

■ **सामग्री :**

स्टफिंग के लिए

- 4 मीडियम साइज उबले हुए आलू
- 1/2 कप कटी हुई शिमला मिर्च
- 1/4 कप कटी हुई गाजर
- 2 बड़े चम्मच कटी हुई हरी धनिया
- 2 बड़े चम्मच शेजवान सॉस
- 1 छोटा चम्मच अदरक-लहसुन पेस्ट
- 1/4 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर
- 1/2 छोटा चम्मच धनिया पाउडर
- 1/2 छोटा चम्मच चाट मसाला
- नमक स्वादानुसार
- 1 बड़ा चम्मच तेल

शेजवान आलू रोल बनाने के लिए

- 2 कप गेहूं का आटा
- नमक स्वादानुसार
- 1 छोटा चम्मच तेल
- आटा गूंथने के लिए पानी
- रोल पर लगाने के लिए मक्खन

■ **बनाने का तरीका**

शेजवान आलू रोल की स्टफिंग तैयार करने के लिए सबसे पहले उबले हुए आलू को मैश कर

लें। इसके बाद एक पैन में तेल गर्म करके उसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर भूनें। अब पैन में कटी हुई शिमला मिर्च और गाजर डालकर 3-4 मिनट तक भूनने के बाद हल्दी, धनिया पाउडर और चाट मसाला डालकर मैश किए हुए आलू भी डाल दें। सभी चीजों को अच्छी तरह मिक्स कर दें। इसके बाद इसमें शेजवान सॉस और हरा धनिया डालकर अच्छी तरह मिलाकर गैस बंद कर दें।

इसके बाद शेजवान आलू रोल बनाने के लिए आटे में नमक और थोड़ा सा तेल डालकर पानी की मदद से नरम आटा गूंथ लें। इसके बाद आटे से छोटी-छोटी लोइयां बनाकर उनकी पतली रोटियां बेल लें। अब तवे पर रोटी को हल्का सेंककर एक तरफ रख दें। अब रोटी के ऊपर थोड़ा सा मक्खन लगाकर तैयार आलू की स्टफिंग को रोटी के बीच में रखकर रोल कर लें। ऐसा करते हुए रोटी के किनारों को अच्छी तरह बंद कर दें। तवे पर हल्का मक्खन डालकर रोल को धीमी आंच पर सेंक लें। आपका टेस्टी शेजवान आलू रोल बनकर तैयार है।

पीले दांतों को साफ करने का कमाल का नुस्खा

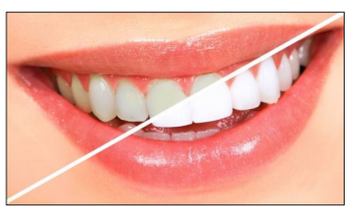

■ केले के छिलके से बनाएं टूथपेस्ट

दांतों की सफेदी का पर्सनैलिटी पर भी असर होता है। अगर किसी के दांत बहुत पीले या काले रंग के दिखते हैं तो काफी भद्दा लगता है और लोग उससे सवाल करने लगते हैं। इसलिए अच्छी पर्सनैलिटी के लिए ओरल हाइजीन का भी पूरा ध्यान रखना चाहिए। अगर आपके दांत पीले और गंदे दिखने लगे हैं तो कुछ नेचुरल चीजों की मदद से इन्हें वापस सफेद बनाया जा सकता है। इसके लिए आपको बस दो चीजों की जरूरत होगी।

पीले दांतों को कैसे सफेद करें

घर में ही बिना खर्च के अगर पीले गंदे दांतों को साफ करना चाहते हैं। तो केले के छिलके की मदद ली जा सकती है। तो चलिए जानें कैसे केवल केले का छिलका ही दांतों को सफेद बना देगा।

ना फेंके केले का छिलका

पके केले के छिलके को बेकार समझकर फेंके नहीं बल्कि अपनी खूबसूरती बढ़ाने में इस्तेमाल करें। पके केले में मैग्नीशियम और पोटैशियम होता है, जो हेल्थ के लिए बेनिफिशियल होता है। पीले दांतों को सुंदर और चमकदार बनाने के लिए बस दो चीजों की जरूरत होगी। जानें क्या करें?

पके केले के छिलके से बनाएं टूथपेस्ट

पके केले के छिलके को लेकर उसके अंदरूनी सफेद रंग के हिस्से को किसी चम्मच की सहायता से खरोंच कर बाहर निकाल लें। अब उसी चम्मच में थोड़ा सा बेकिंग सोडा लें। दोनों चीजों को मिक्स करें। बस तैयार है आपका व्हाइटनिंग टूथपेस्ट। अब इस पेस्ट को रोजाना दांतों पर हल्के हाथ से मसाज करके कुल्ला कर ले। बस रोजाना इस पेस्ट से दांतों को साफ करने से कुछ ही दिनों में पीले दांतों की समस्या खत्म हो जाए और दांत फिर से सफेद दिखने लगेंगे।

चाय बनाते समय कब डालें अदरक?

चाय पीना हर भारतीयों के मॉर्निंग और इवनिंग रूटीन में शामिल है. दिन की शुरूआत टेस्टी चाय से होने पर पूरा दिन अच्छा बितता है. कई लोग ऐसे हैं जो अच्छी चाय कई कोशिशों के बाद भी नहीं बना पाते हैं. स्वादिष्ट चाय बनाने के कुछ टिप्स हैं, जिसे फॉलो कर आप अपने लिए ऐसी चाय तैयार कर सकते हैं जो आपकी दिनभर की थकान को दूर कर सकती है. चाय के स्वाद को बढ़ाने में अदरक बहुत बड़ा रोल निभाता है. चाय में अदरक डालने का भी तरीका होता है. आइए जानते हैं कि चाय में अदरक को कूटकर डालना चाहिए या घिसकर. इसके अलावा इसे कब डालना चाहिए...

चाय बनाने के लिए अदरक को कूटकर डालना सही है, क्योंकि चाय को अदरक के रस की जरूरत पड़ती है. अदरक को कद्दूकस करने से चाय कड़वी हो सकती है. अदरक घिसने से

स्वाद और खुशबू अधिक तीव्र होती है, जिससे चाय का टेस्ट बिगड़ जाता है. घिसने से अदरक के फाइबर टूट जाते हैं और यह चाय में अच्छी तरह से मिल जाता है, जो चाय के टेस्ट को इंबैलेंस कर सकता है.

चाय में अदरक डालने का सही समय क्या है?

आप चाय पत्ती डालने से पहले अदरक को पानी में डाल सकते हैं और 2-3 मिनट तक उबाल सकते हैं. इसके अलावा आप चाय पत्ती के साथ भी अदरक को पानी में डाल सकते हैं और 3-5 मिनट तक उबाल सकते हैं. इसके बाद दूध को डालें और ढककर पका लें.

चाय पीने के नुकसान हैं, लेकिन इससे कैसे बचा जा सकता है?

अगर आप अधिक चाय पीते हैं तो यह आपको नुकसान पहुंचा सकता है. अधिक चाय पीने से नींद और भूख दोनों प्रभावित होती है. अधिक चाय पीने से पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं, अगर आप खूब पानी पीकर चाय पीते हैं तो गैस और एसिडीटी की समस्या से आप बच सकते हैं. अधिक चाय पीने से दांतों की समस्याएं भी हो सकती हैं.

आज का राशिफल

मेष : नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। परीक्षा आदि में सफलता मिलेगी। पारिवारिक कष्ट एवं समस्याओं का अंत संभव है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। आय से अधिक व्यय न करें। परोपकार में रुचि बढ़ेगी।

वृषभ : आज शत्रु अधिक सक्रिय रहेंगे। कुसंगति से हानि होगी। व्ययवृद्धि होगी। लेन-देन में सावधानी रखें, जोखिम न लें। किसी शुभचिंतक से मेल-मुलाकात का हर्ष होगा। संतान की आजीविका संबंधी समस्या का हल निकलेगा। लापरवाही से काम न करें।

मिथुन : यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। आय में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें। आकस्मिक लाभ व निकटजनों की प्रगति से मन में प्रसन्नाता रहेगी। परिश्रम से स्वयं के कार्यों में भी शुभ परिणाम आएँगे। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें।

कर्क : कार्यस्थल पर परिवर्तन लाभ में वृद्धि करेगा। योजना फलीभूत होगी। नए अनुबंध होंगे। कष्ट होगा। पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ने से व्यस्तता बढ़ेगी। कार्य में नवीनता के भी योग हैं। संतान के व्यवहार से समाज में सम्मान बढ़ेगा। स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

सिंह : कानूनी अड़चन दूर होगी। अध्यात्म में रुचि रहेगी। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रुके धन के लिए प्रयत्न जरूर करें। कार्य का विस्तार होगा। दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप से बचें। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। विलासिता के प्रति रुझान बढ़ेगा।

कन्या : चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें, बाकी सामान्य रहेगा। प्रयास अधिक करने पर भी उचित सफलता मिलने में संदेह है। कार्य में विलंब के भी योग हैं। आर्थिक हानि हो सकती है। पारिवारिक जीवन तनावपूर्ण रहेगा।

तुला : जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। राजकीय कार्य की बाधा दूर होगी। माता को बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। अर्थ प्राप्ति के योग बनेंगे। पारिवारिक विवादों से दूर रहना चाहिए। पिता से व्यापार में सहयोग मिल सकेगा। सरकारी मसले सुलझेंगे।

वृश्चिक : बेरोजगारी दूर होगी। विवाद न करें। संपत्ति की खरीद-फरोख्त हो सकती है। आय बढ़ेगी। मन में उत्साहपूर्ण विचारों के कारण समय सुखद व्यतीत होगा। मकान व जमीन संबंधी कार्य बनेंगे। अनायास धन लाभ के योग हैं। व्यापार में वांछित उन्नति होगी।

धनु : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। नए कार्यों से जुड़ने का योग बनेगा। पारिवारिक जीवन सुखद नहीं रहेगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। इच्छित लाभ होगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा हो सकती है।

मकर : आज बुरी खबर मिल सकती है। किसी भी तरह के विवाद को बढ़ावा न दें। भागदौड़ बनी रहेगी। पत्नी के आय में कमी होगी। किसी कार्य में प्रतिस्पर्धात्मक तरीके से जुड़ने की प्रवृत्ति आपके लिए शुभ रहेगी। राज्य पक्ष से लाभ होगा। अपने काम से काम रखें।

कुंभ : मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। दूर रहने वाले व्यक्तियों से संपर्क के कारण लाभ हो सकता है। नई योजनाओं का सूत्रपात होने के योग हैं। कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। व्यर्थ संदेह न करें।

मीन : मेहमानों का आवागमन होगा। व्यय होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। अपने प्रयासों से उन्नति पथ प्रशस्त करेंगे। बुद्धि चातुर्य से कठिन कार्य भी आसानी से बनेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। व्यर्थ समय नष्ट न करें। रुका पैसा मिलेगा।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

मां ने मासूम बेटी को छत से फेंककर उतारा मौत के घाट, अब कब्र से निकाला जाएगा शव

बरेली. बरेली के सीबीगंज इलाके में एक महिला को उसकी ही बेटी की हत्या के आरोप में हिरासत में लिया गया है। बच्ची के पिता का आरोप है कि 21 नवंबर को उसकी बच्ची की मौत छत से गिरकर नहीं हुई थी। उसकी पत्नी ने ही ढाई साल की मासूम बेटी को छत से नीचे फेंक दिया था। बाद में उसकी पत्नी ने सभी से कहा कि छत पर खेलने के दौरान बच्ची नीचे गिर गई है। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। घटना के पांच दिन बाद मंगलवार को गली में लगी एक सीसीटीवी फुटेज चेक करने पर बच्ची के छत से फेंकने की पुष्टि हुई। इसके बाद मृत बच्ची के पिता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया है। मामला सीबीगंज के गांव कासमपुर का है।

देवरिया में मासूम बच्ची से हैवानियत, खेत में लथपथ मिली लाश; रेप की आशंका

देवरिया. यूपी के देवरिया में एक मासूम बच्ची से हैवानियत की घटना सामने आई है। जिले के भटनी थाना क्षेत्र में बुधवार की सुबह एक बच्ची का खून से लथपथ शव खेत में मिला। बच्ची से दुष्कर्म की आशंका जताई जा रही है। लोगों का कहना है कि उसके साथ हैवानियत हुई है। घटनास्थल पर एसपी समेत कई पुलिस अधिकारी पहुंचकर छानबीन कर रहे हैं। भटनी थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली बच्ची अपनी दादी के मायके में एक शादी समारोह में मंगलवार को आई थी। शादी समारोह के दौरान शाम करीब पांच बजे बच्ची वहां से गायब हो गई। परिजन पूरी रात उसकी तलाश करते रहे, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। बुधवार की सुबह करीब 11 बजे घर से 200 मीटर दूर अरहर के खेत में उसका खून से लथपथ शव मिला। बच्ची अर्धनग्न अवस्था में थी। शव से कुछ दूरी पर उसके कपड़े मिले। बच्ची के गले पर भी जख्म है।

शिक्षक ने बाल खींचकर छात्रा को बेरहमी से पीटा

यूपी के कन्नौज से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां सौरिख क्षेत्र के खड़िनी गांव में कोचिंग में पढ़ाई के दौरान पांच वर्षीय मासूम छात्रा को टीचर द्वारा बेरहमी से बाल खींचकर पीटने का वीडियो वायरल हो रहा है। मामला संज्ञान में आते ही पुलिस ने कोचिंग संचालक को हिरासत में ले लिया। इटावा के बकेवर थाना क्षेत्र के नसीरपुर निवासी ज्ञानेंद्र खड़िनी में मामा के मकान में कोचिंग चलाता है। वह क्षेत्र के नगला तोरन गांव में रहता है। मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर किसी ने कोचिंग में कक्षा दो की छात्रा की पिटाई का वीडियो वायरल कर दिया। वीडियो में ज्ञानेंद्र एक बच्ची को बाल पकड़कर बेरहमी से पीट रहा है। बच्ची की पीठ पर उसने डंडे भी बरसाए। डर के कारण वह बेड के नीचे छिप जाती है तो शिक्षक दूसरे बच्चे से उसे खिंचवाकर बाहर निकालने को कहता है।

संभल हिंसा में पत्थरबाजों से वसूली होगी

- मंत्री ने कहा- उपद्रवियों के पोस्टर लगेंगे
- काजी की अपील- जुमे को जामा मस्जिद न आएं

संभल. UP के संभल में हिंसा का बुधवार को चौथा दिन है। योगी सरकार हिंसा में शामिल पत्थरबाजों से वसूली करेगी। जिन-जिन लोगों के नाम सामने आए हैं। उनके पोस्टर क्षेत्र में लगाए जाएंगे। इसके लिए पुलिस महकमे और गृह विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। मंत्री नितिन अग्रवाल ने पोस्ट करके यह जानकारी दी है।

ADG रमित शर्मा समेत सीनियर अफसर भी संभल में कैंप किए हुए हैं। रमित ने कहा कि हिंसा के दौरान के CCTV चेक किए जा रहे हैं। जिनके भी हाथ में पत्थर थे, वह बख्शे नहीं जाएंगे। डीएम ने शहर में खुले में पेट्रोल की बिक्री पर सख्ती से रोक लगाने के आदेश दिए हैं।

इधर, संभल शहर काजी ने शुक्रवारी यानी जुमे पर नमाज के लिए जामा मस्जिद न आने की अपील की है। मंगलवार को ही जमीअत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद महमूद मदनी ने सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना को एक लेटर लिखा। इसमें उन्होंने कहा कि मस्जिदों के सर्वे के नाम पर की जा रही गतिविधियां लोगों के विश्वास को कमजोर कर रही हैं। बाबरी मस्जिद जैसी त्रासदी दोबारा न हो। मदनी ने सीजेआई से मामले में हस्तक्षेप की मांग की है।

संभल में इंटरनेट लगातार चौथे दिन बंद है। हिंसा प्रभावित इलाके में हालात अभी सामान्य नहीं हुए हैं। बाकी शहर में मार्केट खुलना शुरू हो गया है। संभल पुलिस ने भी देर शाम 2 नए वीडियो जारी किए। इसमें देखा जा सकता है कि कैसे आरोपी सीसीटीवी को तोड़ रहे हैं, ताकि उनका चेहरा कैमरे में न आ सके।

अखिलेश यादव पत्थर फिकवाते हैं, दंगा भड़कवाते हैं

मथुरा में कांग्रेस के निष्कासित नेता और कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने संभल हिंसा पर कहा- उपचुनाव में हार से सपा बौखला गई है। अखिलेश यादव पहले पत्थर फिकवाते हैं, दंगा भड़कवाते हैं, भीड़ को उकसाते हैं। फिर डेलीगेशन भिजवाते हैं, फिर घड़ियाली आंसू बहाते हैं। केस दर्ज तो अखिलेश यादव के खिलाफ होना चाहिए। संभल हिंसा बहुत ही संवदेनशील प्रकरण है। दंगा भड़काने की कोशिश समाजवादी पार्टी के नेताओं ने की है। मुझे योगी सरकार पर पूरा भरोसा है। मुझे पुलिस प्रशासन पर भरोसा है। मंदिर और जामा मस्जिद मामले में कोर्ट के आदेश का इंतजार करना चाहिए। जो भी फैसला आए उसका सम्मान करना चाहिए।

राहुल गांधी के पास है ब्रिटिश नागरिकता?

- हाई कोर्ट ने सरकार ने जवाब मांगा

प्रयागराज. इलाहाबाद हाई कोर्ट ने गृह मंत्रालय से कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारतीय नागरिकता पर स्पष्टीकरण मांगा है। अदालत ने 25 नवंबर को जारी आदेश में कहाकि केंद्र सरकार 19 दिसंबर तक इस बारे में कोर्ट को जानकारी दे। यह फैसला उस याचिका पर आया है, जिसमें एक व्यक्ति ने दावा किया है कि राहुल गांधी के पास ब्रिटेन की नागरिकता है। मामले की अगली सुनवाई भी 19 दिसंबर को होने वाली है। मामले में केंद्र की ओर से पेश डिप्टी सॉलिसिटर जनरल एसबी पांडे ने अदालत को सूचित किया कि याचिकाकर्ता द्वारा दिया गया रिप्रजेंटेशन मंत्रालय को मिल गया है। अब इस पर कार्रवाई की जा रही है।

याचिकाकर्ता एस विग्नेश का दावा है कि राहुल गांधी के पास ब्रिटेन की नागरिकता है। उनका कहना है कि उन्होंने इस मामले में विस्तार से छानबीन की है। वह इससे संबंधित कई जानकारियों से गुजरे हैं। विग्नेश का यह भी कहना है कि उन्होंने ब्रिटिश सरकार के अति-गोपनीय ईमेल देखे हैं। याचिकाकर्ता ने कोर्ट को सूचित किया कि उन्होंने पहले ही केंद्रीय गृह मंत्रालय में सक्षम प्राधिकारी के पास राहुल गांधी की भारतीय नागरिकता रद्द करने के लिए दो प्रतिवेदन दिए हैं। इसके बाद कोर्ट ने एएसजी को गृह मंत्रालय के प्रतिवेदन पर निर्देश लेने का निर्देश दिया।

जनहित याचिका में आगे आरोप लगाया गया है कि मेल में, यूके सरकार ने संकेत दिया है कि उसके पास राहुल गांधी की ब्रिटिश नागरिकता के रिकॉर्ड हैं। लेकिन विवरणों का खुलासा करने से इनकार कर दिया। वजह, ऐसे पर्सनल डेटा यूके के डेटा प्रोटेक्शन एक्ट, 2018 के अनुसार प्रोटेक्टेड हैं। याचिका में कहा गया है कि ब्रिटिश सरकार तब तक जानकारी नहीं दे सकती जब तक कि उसे राहुल गांधी का दस्तखत किया हुआ पत्र नहीं मिल जाता। विग्नेश ने मामले में सीबीआई जांच की भी मांग की है।

स्वरा भास्कर का संभल हिंसा पर चढ़ा पारा

- कहा- मुसलमानों की हत्या कर रहा प्रशासन

संभल. उत्तर प्रदेश के संभल में हाल ही में हुई हिंसा को लेकर अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने सरकार पर हमला बोला है। बॉलीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा है कि देश में कानून लागू करने वाले लोग ही मुसलमानों की हत्या कर रहे हैं। स्वरा ने देश के पूर्व मुख्य न्यायधीश डीवाई चंद्रचूड़ के एक बयान को लेकर भारत की न्यायपालिका पर भी सवाल उठाया है। गौरतलब है कि संभल में एक मुगलकालीन मस्जिद का सर्वेक्षण का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच बीते रविवार को झड़प हो गई थी। इस हिंसा के दौरान हुई गोलीबारी और पथराव के दौरान कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। वहीं 20 से अधिक सुरक्षाकर्मियों सहित कई अन्य लोग घायल हो गए थे।

मंगलवार देर रात स्वरा भास्कर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट के जरिए अपना गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने लिखा, हम भारत में उस स्थिति में हैं जहां कानून लागू करने वाले लोग नागरिकों की हत्या कर रहे हैं क्योंकि वे मुसलमान हैं। उन्होंने आगे लिखा, और न्यायपालिका? वे शायद भगवान से सलाह ले रहे हैं कि उन्हें अपना काम कैसे करना है। ये बकवास है। बीते कुछ दिनों पहले ही पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा था कि उन्होंने भगवान से प्रार्थना की थी कि अयोध्या-बाबरी मस्जिद मामला जल्द से जल्द सुलझ जाए।

ईसाई महिला ने आरक्षण का लाभ लेने के लिए अपनाया हिंदू धर्म

- सुप्रीम कोर्ट ने लगाई कड़ी फटकार

नई दिल्ली. यदि कोई व्यक्ति केवल आरक्षण लाभ प्राप्त करने के लिए बिना किसी आस्था के धर्म परिवर्तन करता है तो यह आरक्षण की नीति की सामाजिक भावना के खिलाफ होगा। यह निर्णय मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने दिया है। कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखते हुए एक महिला को अनुसूचित जाति (SC) प्रमाण पत्र देने से इनकार कर दिया। महिला ने यह प्रमाण पत्र एक उच्च श्रेणी के लिपिक पद की नौकरी पाने के लिए पुदुचेरी में प्राप्त करने के उद्देश्य से मांगा था। उसने दावा किया था कि वह हिंदू धर्म अपनाकर अनुसूचित जाति में शामिल हो चुकी है।

> कोर्ट ने कहा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और प्रत्येक नागरिक को संविधान के तहत अपने धर्म को मानने और पालन करने का अधिकार है। जस्टिस महादेवन ने फैसले में लिखा, यदि धर्म परिवर्तन का उद्देश्य आरक्षण के लाभ प्राप्त करना है, न कि किसी अन्य धर्म में विश्वास, तो इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता क्योंकि ऐसे व्यक्तियों को आरक्षण के लाभ देना समाजिक नीति की भावना के खिलाफ होगा।

जस्टिस पंकज मिथल और आर महादेवन की पीठ ने इस मामले पर सुनवाई की। उन्होंने अपने फैसले में कहा, इस मामले में प्रस्तुत साक्ष्य से यह स्पष्ट होता है कि अपीलकर्ता ईसाई धर्म का पालन करती हैं और नियमित रूप से चर्च जाती हैं। इसके बावजूद, वह खुद को हिंदू बताती हैं और रोजगार के लिए अनुसूचित जाति प्रमाणपत्र की मांग करती हैं। उनका यह दोहरा दावा अस्वीकार्य है और वह बपतिस्मा लेने के बाद खुद को हिंदू के रूप में पहचान नहीं सकतीं।

कोर्ट ने आगे कहा, इसलिए सिर्फ आरक्षण का लाभ लेने के लिए एक ईसाई धर्मावलंबी को अनुसूचित जाति का सामाजिक दर्जा देना संविधान की मूल भावना के खिलाफ होगा और इसे धोखाधड़ी माना जाएगा।

सैफई मेडिकल कॉलेज के 3 डॉक्टर समेत 5 की मौत

- डिवाइडर से टकराई कार, फिर ट्रक ने रौंदा

कन्नौज. कन्नौज में सड़क हादसे में सैफई मेडिकल कॉलेज के 3 डॉक्टर, एक लैब टेक्नीशियन और एक क्लर्क की मौत हो गई। हादसा लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर बुधवार तड़के 3.30 बजे हुआ। 100 की स्पीड में चल रही स्कार्पियो डिवाइडर से टकराकर दो पलटी खाते हुए दूसरी लेन में आ गई। फिर ट्रक ने स्कार्पियो को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कार्पियो कई मीटर तक घिसटती चली गई। स्कार्पियो में 6 लोग सवार थे, 5 की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक की हालत गंभीर है। मरने वाले 3 डॉक्टर सैफई मेडिकल कॉलेज से पीजी कर रहे थे।

बांग्लादेश में इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने की मांग

- हिंदुओं पर हमले के बीच हाईकोर्ट में याचिका

ढाका. बांगलादेश में हिंदुओं पल लगातार हो रहे हमले के बीच हाईकोर्ट में बुधवार को एक याचिका दायर की गई, जिसमें इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (ISKCON) पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है। याचिका में चिटगांव और रंगपुर में जारी अशांति को रोकने के लिए इन दोनों शहरों में आपातकाल की स्थिति घोषित करने की भी मांग की गई है। हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा कि ISKCON की हालिया गतिविधियों के संदर्भ में उसने अब तक क्या कदम उठाए हैं। अदालत ने इस पर जानकारी देने के लिए गुरुवार को एटॉर्नी जनरल मोहम्मद असदुज्जामन को निर्देश दिया है। हाईकोर्ट की बेंच में जस्टिस फराह महबूब और जस्टिस देबाशीष रॉय चौधरी शामिल हैं।

हिंदू साधु की गिरफ्तारी पर विरोध प्रदर्शन

हिंसा और अशांति की शुरुआत 25 नवम्बर को ढाका एयरपोर्ट पर प्रमुख हिंदू साधु चिन्मय कृष्ण दास प्रभु की गिरफ्तारी से हुई। यह साधु धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों और सुरक्षा के लिए काम करने के लिए प्रसिद्ध थे। उन पर राजद्रोह का आरोप लगाया गया है और उन्हें जमानत नहीं दी गई है। उनकी गिरफ्तारी के बाद बांगलादेश भर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। हिंदू समुदाय ने उनकी रिहाई की मांग की है। चिटगांव कोर्ट के बाहर हुए प्रदर्शनों में हिंसा फैल गई। इसके कारण एक वकील की मौत हो गई। इस हिंसा में 20 से अधिक लोग घायल हो गए। चिन्मय कृष्ण दास प्रभु ने हाल ही में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचारों पर ध्यान आकर्षित करने और समुदाय के लिए मजबूत सुरक्षा की मांग करने के लिए कई विरोध प्रदर्शन आयोजित किए थे।

रेसलर बजरंग पूनिया 4 साल के लिए सस्पेंड

- नेशनल टीम के सिलेक्शन ट्रायल में डोप टेस्ट सैंपल देने से इनकार किया था
- NADA का एक्शन

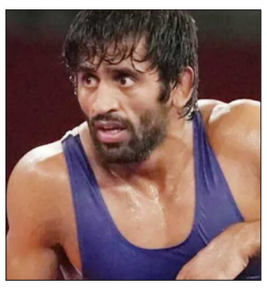

नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (NADA) ने पहलवान बजरंग पूनिया को चार साल के लिए सस्पेंड कर दिया है। पूनिया ने 10 मार्च को राष्ट्रीय टीम के सिलेक्शन ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट के लिए सैंपल देने से इनकार कर दिया था, जिसके चलते उन पर कार्रवाई हुई।

टोक्यो ओलिंपिक में सिल्वर मेडल जीतने वाले पूनिया को इससे पहले 23 अप्रैल को अस्थायी रूप से सस्पेंड किया गया था। इसके बाद विश्व कुश्ती संगठन (UWW) ने भी उनके खिलाफ कार्रवाई की थी। पूनिया ने इस सस्पेंशन के खिलाफ अपील की थी, जिसके बाद इसे 31 मई तक रद्द कर दिया गया था। इसके बाद NADA ने 23 जून को पूनिया को नोटिस जारी किया था। पूनिया ने 11 जुलाई को इस फैसले को चुनौती दी थी, जिसके बाद 20 सितंबर और 4 अक्टूबर को सुनवाई हुई। अब अपने आदेश में NADA के डोपिंग पैनल (ADDP) ने उनके चार साल के निलंबन को जारी रखा है।

उर्विल टी-20 में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय

- सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 28 गेंदों में लगाई सेंचुरी
- IPL ऑक्शन में अनसोल्ड रहे

गुजरात टीम के ओपनर और विकेटकीपर उर्विल पटेल टी-20 फॉर्मेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने बुधवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में त्रिपुरा के खिलाफ मात्र 28 गेंदों में सेंचुरी लगाई।

मैच इंदौर के होल्कर स्टेडियम में खेला गया। उर्विल से पहले यह रिकॉर्ड ऋषभ पंत के नाम था, जिन्होंने 2018 में इसी टूर्नामेंट में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ 32 गेंदों पर शतक लगाया था। उर्विल ने 35 गेंदों पर नाबाद 113 रन बनाए। इसमें 12 छक्के और 7 चौके लगाए।

9 साल तक सहमति से बनाया संबंध, अब लगाया रेप का इल्जाम

- महिला के आरोप पर क्या बोला सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक अहम फैसले में नौ साल तक चले सहमति आधारित रिश्ते को लेकर दर्ज दुष्कर्म और धोखाधड़ी के मामले में आरोपी के खिलाफ मामला खारिज कर दिया। अदालत ने ऐसे मामलों में कानून के दुरुपयोग और सहमति आधारित रिश्तों को अपराध का रूप देने की बढ़ती प्रवृत्ति पर गंभीर चिंता जाहिर की।

न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति एन कोटिस्वर सिंह की पीठ ने मामले पर सुनवाई करते हुए कहा कि अगर लंबे समय तक चले शारीरिक संबंधों को कानून के तहत देर से अपराध की श्रेणी में डाला जाता है, तो इसके गंभीर सामाजिक और कानूनी परिणाम हो सकते हैं।

पीठ ने टिप्पणी की, ऐसे मामलों की बढ़ती संख्या से यह रुझान साफ हो रहा है कि सहमति पर आधारित रिश्तों में जब दरार आती है, तो इन्हें आपराधिक बना देने की कोशिश की जाती है।

यह मामला बॉम्बे हाई कोर्ट के 2018 के आदेश के खिलाफ दायर अपील का था, जिसमें आरोपी ने अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की थी। शिकायतकर्ता महिला ने आरोप लगाया था कि आरोपी ने शादी का झूठा वादा करके उसका बार-बार यौन शोषण किया।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि महिला लंबे समय तक बिना शादी की शर्त के आरोपी के साथ संबंध में रही। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह रिश्ता सहमति से बना था और शादी का झूठा वादा करने का आरोप टिकाऊ नहीं है।

ब्रा पहनकर बाजार में रील बना रहा था युवक, लोगों ने पकड़कर पीटा

सोशल मीडिया पर रील्स की भरमार है। अब एक ओर जहां कुछ क्रिएटर्स यूजर्स को अच्छा कंटेट देने की कोशिश में रहते हैं तो वहीं कुछ महारथी व्यूज लेने की होड़ में कुछ भी करने को तैयार हो जाते हैं। ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जहां भीड़ ने सरे बाजार ब्रा पहनकर घूम रहे एक युवक की पिटाई कर दी है। मामला पानीपत का बताया जा रहा है।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में नजर आ रहा है कि महिलाओं के अंतर्वस्त्र पहने एक युवक को भीड़ ने घेर रखा है। इसी बीच भीड़ में मौजूद एक शख्स उसकी पिटाई शुरू कर देता है। दावा किया जा रहा है कि युवक बीच बाजार में डांस कर रहा था और अश्लील हरकतें कर रहा था। उल्हास विकास दावों की पुष्टि नहीं करता है।

संविधान दिवस पर CJI खन्ना ने दिया गिफ्ट

- देर तक निहारते रहे PM मोदी

नई दिल्ली. संविधान दिवस के मौके पर आज देश भर में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट में भी इस मौके पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 'राष्ट्र प्रथम' की भावना संविधान को कई सदियों तक जीवंत रखेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में पहली बार संविधान दिवस मनाया गया है। उन्होंने संविधान को मार्गदर्शक बताते हुए कहा कि इसी ने हमें उचित मार्ग दिखाया है। पीएम ने कहा कि संविधान हमारी हर जरूरत और अपेक्षा पर खरा उतरा है, यह हमारा मार्गदर्शक है।

इस मौके पर मुख्य न्यायाधीश CJI संजीव खन्ना ने संविधान से मिली शक्तियों का विवरण देते हुए कहा कि संविधान न्यायालयों को न्यायिक समीक्षा का अधिकार देता है। हम जनहित याचिकाओं पर विचार करते हैं और किसी भी मामले में स्वतः संज्ञान ले सकते हैं। इसके अलावा किसी भी मामले में फैसला करने में मदद के लिए एमिकस क्यूरी नियुक्त कर सकते हैं। न्यायाधीशों के रूप में हम मामलों पर नज़र रखते हैं और उनकी आलोचना करते हैं। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि यह हमारी संविधान की खूबसूरती और ताकत है कि हम बसे ज्यादा खुले और पारदर्शी हैं।

उन्होंने कहा कि संविधान रचनात्मक तरीके से काम करने के लिए उत्तरदायी होने से ज़्यादा जवाबदेह बनाता है।

कार्यक्रम के दौरान CJI संजीव खन्ना ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक उपहार भी भेंट किया, जो एक खूबसूरत पेंटिंग थी। इस पेंटिंग को तिहाड़ जेल में बंद एक कैदी ने बनाया था। जब CJI ने PM मोदी को यह पेंटिंग दी तो वह काफी देर तक उसे निहारते रहे। इस दौरान उनके सहयोगी उसे लेने को आगे बढ़े लेकिन पीएम उसे अपने हाथ में थाम उसे निहारते रहे।

ULHASNAGAR MUNICIPAL CORPORATION
NATIONAL TUBERCULOSIS ELIMINATION PROGRAMME
Registration No. MAHA/546-2000/Thane.

DOTS Pura course. Pakka ilaaj.

OFFICE :- CITY TB OFFICE, Ground Floor, Ulhasnagar Municipal Corporation Head Office, Near Chopra Court, Ulhasnagar-421003, Dist-Thane, Maharashtra.

PHONE NO-(0251) 2720137 Web Site: www.tbcindia.nic.in E-Mail dtomhumc@rntcp.org

EXPRESSION OF INTEREST

Ulhasnagar MC TB Elimination Programme invites Expression of Interest for TB related services Pre-Treatment Evaluation & Follow up Tests with Reports (Hard Copy) for the period of one year from interested Diagnostic Centres/Laboratories through NGOs in the Ulhasnagar for projects to be undertaken under National Health Mission (NHM).

S.N	Investigation		Unit Rate
1	Sr. Magnesium	Blood Investigations	As per minimum local rate of procedure.
2	Sr. Lipase		
3	Audiometry		
4	Fundoscopy		
5	2-D Echo		

FIRST EXTENSION OF EXPRESSION OF INTEREST

S.N	Particulars	Time Line
1	Format, scope of work and qualifying criteria can be collected and Expression of Interest in desired format to be submitted in sealed envelope at the Dispatch dept. at the above mentioned office address.	8 working days
2	Date of Publishing Advertisement for Expression of Interest	27/11/2024 at 10:00 am
3	Last Date of Expression of Interest	06/12/2024 at 5:00 p.m.
4	Opening of Expression of Interest	09/12/2024 at 4:30 p.m.
5	Expression of Interest No.	No. RTC Soc.UMC/1552

Note:- Selection Criteria, Experience & Formats are shared onlinewww.umc.gov.in For any queries/compliance, kindly contact City T.B. Officer, NTEP/UMC If work is Satisfaction then Contract may extend as per NHM Guideline & Instruction.

Sd/-
Medical Officer of Health
Ulhasnagar Municipal Corporation

जा.क्र. उमपा/पीआरओ/434/2024
दिनांक :- 27/11/2024

संक्षेप...

बाल विवाह प्रथा के विरुद्ध जिले में चित्ररथ के माध्यम से जागरूकता अभियान

ठाणे. बालविवाह प्रतिबंध दिन के निमित्त जिला महिला बाल विकास अधिकारी कार्यालय, संस्था,महाराष्ट्र सामाजिक विकास ट्रस्ट डॉ. कैलास सत्यर्थी फाऊंडेशन के संयुक्त विद्यमान से बालविवाह जैसे प्रथा के विरुद्ध में जिलें में 27 नवंबर से 10 दिसंबर तक चित्ररथ के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। 27 नवंबर को पूरे देश में बालविवाह प्रतिबंध दिन के उपलक्ष्य में जनजागृत कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।इस चित्ररथ का उद्घाटन जिलाधिकारी अशोक शिनगारे के हाथों से सुबह साढ़े दस बजे से साढ़े ग्यारह बजे के बीच में किया जायेगा।यह जानकारी जिला महिला बाल विकास अधिकारी महेंद्र गायकवाड़ ने दिया।

एकनाथ शिंदे बोले- भाजपा का CM हमें मंजूर

पद की लालसा नहीं; जब मुख्यमंत्री था तब मोदी साथ खड़े रहे, जो फैसला लेंगे स्वीकार

ठाणे. महाराष्ट्र का अगला सीएम भाजपा का हो सकता है। बुधवार को ठाणे में कार्यवाहक सीएम एकनाथ शिंदे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भाजपा का सीएम हमें मंजूर है। मुझे पद की लालसा नहीं। जब मैं मुख्यमंत्री था तब मोदी जी मेरे साथ खड़े रहे। अब वो जो फैसला लेंगे स्वीकार होगा।

शिंदे ने कहा- मैंने कल (26 नवंबर) मोदी जी को फोन किया था हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है, मन में कोई अड़चन न लाएं। हम सब NDA का हिस्सा हैं। भाजपा की बैठक में जो फैसला लिया जाएगा, हमें मंजूर होगा। कोई स्पीड ब्रेकर नहीं है। हम सरकार बनाने में अड़चन नहीं बनेंगे।

शिंदे बोले, मैं कभी भी अपने आप को मुख्यमंत्री नहीं समझता। मैंने हमेशा आम आदमी बनकर काम किया। यह जनता की विजय है। समर्थन के लिए जनता को धन्यवाद। इलेक्शन के वक्त सुबह 5 बजे तक काम करते थे। सभी कार्यकर्ताओं ने बहुत मेहनत की।

मैं आम आदमी, कभी खुद को CM नहीं समझा

एकनाथ शिंदे ने कहा, आम आदमी को क्या समस्या आती है, वो मैं समझता हूं। मैंने कभी भी अपने आप को मुख्यमंत्री नहीं समझा। मैंने हमेशा आम आदमी बनकर काम किया। मैं देखता आ रहा हूं कि कुटुम्ब को कैसे चलाया जाता है। मैंने सोचा था कि जब मेरे पास अधिकार आएंगे तो जो परेशान हैं, उनके लिए योजनाएं लाएंगे।

राज्य को आगे बढ़ाने के लिए केंद्र का साथ जरूरी

एकनाथ शिंदे बोले, हमने ढाई साल सरकार चलाई। इस दौरान केंद्र सरकार हमारे साथ मौजूद रही, खड़ी रही। हमारे हर प्रस्ताव को उसका समर्थन मिला। राज्य को चलाने के लिए केंद्र सरकार का साथ जरूरी है।

महाराष्ट्र में कोई स्पीड ब्रेकर नहीं

एकनाथ शिंदे ने कहा, मुझे पद की लालसा नहीं। हम लड़ने वाले लोग नहीं हैं। हम काम करने वाले लोग हैं। मैंने पीएम और गृह मंत्री से भी कह दिया है कि महाराष्ट्र में कोई स्पीड ब्रेकर नहीं है, कोई नाराज नहीं, कोई गायब नहीं है। यहां कोई मतभेद नहीं है। एक स्पीड ब्रेकर था वो था महा विकास अघाड़ी, वो हटा दिया है।

मोदी-शाह ढाई साल चट्टान की तरह साथ खड़े रहे

उन्होंने कहा, हमने ढाई साल सरकार चलाई। प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह ने मुझ जैसे कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी दी। ढाई साल तक दोनों चट्टान की तरह हमारे साथ खड़े रहे। मुझ से कहा कि आप जनता का काम करो और हम आपके साथ हैं।

पूरी शिवसेना को मोदी जी का फैसला स्वीकार

शिंदे ने कहा, मैंने मोदीजी-शाहजी को फोन किया। मैंने उनसे कहा कि आपका जो भी फैसला होगा, हमें स्वीकार है। भाजपा की बैठक में आपका कैंडिडेट चुना जाएगा, वो भी हमें स्वीकार है। हम सरकार बनाने में अड़चन नहीं है। आप सरकार बनाने को लेकर जो फैसला लेना चाहते हैं, ले लीजिए। शिवसेना और मेरी तरफ से कोई अड़चन नहीं है।

मैं आपका लाडला भाई, ये लोकप्रियता ज्यादा अच्छी

शिंदे ने कहा, जब सीएम था, जब लोगों को लगता था कि हमारे बीच का मुख्यमंत्री है। घर हो, मंत्रालय हो, लोग आकर मिलते हैं। मेरी जो पहचान मिली है, वो आपकी वजह से है। मैंने लोकप्रियता के लिए काम नहीं किया, महाराष्ट्र की जनता के लिए काम किया। राज्य की बहनें और भाई अब खुश हैं। बहनों ने मेरा साथ दिया और मेरी रक्षा की, अब मैं उनका लाडला भाई हूं, यह पहचान अच्छी है।

सिविल अस्पताल कम वजन के 36 नवजात शिशुओं के लिए बना देवदूत

ठाणे. प्रसूती के बाद कम वजन के नवजात शिशुओं का देखभाल करना सबसे महत्वपूर्ण विषय है।लेकिन सिविल अस्पताल का प्रसूती घर निजी अस्पताल से अच्छा है।पिछले 11महीने में अस्पताल के प्रसूती घर में 1 किलो से कम वजन के 36 नवजात शिशुओं ने जन्म लिया है।जिनका देखरेख अस्पताल में स्थित एसएनसीयू कक्ष में किया जा रहा है जो इन बच्चों के लिए देवदूत बना है।अस्पताल में प्रसूती के लिए ठाणे

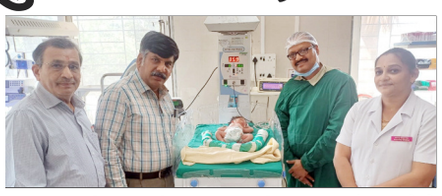

शहर, ग्रामीण, दुर्गम आदिवासी भाग व पालघर जिला से प्रसूती के लिए आते हैं।जिला शल्य चिकित्सक डॉ. कैलास पवार व अतिरिक्त जिला शल्य चिकित्सक डॉ. धीरज महांगडे के मार्गदर्शन में अब प्रसूती कक्ष में विशेष ध्यान रहता है।इसकी जानकारी बालरोग विशेषज्ञ डॉ. सुरेश वानखेडे ने दिया।कम वजन के बच्चों के लिए एसएनसीयू कक्ष अस्पताल में तैयार किया गया है।इसके लिए डॉ. राहुल गुरव, डॉ. शैलेश गोपनपल्लिकर, डॉ. प्रकाश बोरुलकर, वरिष्ठ परिचारिका सारिका शेणेकर, शीतल जठार आदी अथक परिश्रम कर रही है।

29 नवंबर को होगी बीजेपी विधायक दल की बैठक

देवेंद्र फडणवीस होंगे मुख्यमंत्री

मुंबई. महाराष्ट्र में सीएम पद को लेकर शिवसेना और बीजेपी में खींचतान के बीच बड़ी खबर आई है। बीजेपी ने महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस को सीएम बनाने का निर्णय ले लिया है। बीजेपी के एक नेता ने बताया कि बुधवार शाम तक सीएम का मुद्दा सुलझ जाएगा। शुक्रवार को मुंबई में बीजेपी विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें फडणवीस के नाम पर मुहर लगेगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव को पार्टी ने पर्यवेक्षक नियुक्त किया। सरकार बनाने का फॉर्मूला भी तैयार है। महाराष्ट्र की नई सरकार बीजेपी को 20,शिवसेना को 12 और और अजित पवार को पावर मिनिस्ट्री समेत 10 मंत्रालय दिए जाएंगे।

महाराष्ट्र में बिहार पैटर्न लागू करने से साफ इनकार

महाराष्ट्र में सीएम पद को लेकर महायुति में मतभेद अब जगजाहिर हो गया। पहले शिवसेना के सांसद और नेताओं ने कहा कि

विधानसभा का चुनाव शिंदे के नेतृत्व में चुनाव लड़ा गया इसलिए उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वह सीएम पद के असली हकदार है। शिवसेना सांसद नरेश महास्के ने महाराष्ट्र में बिहार पैटर्न लागू करने की मांग की। बिहार में जेडी यू को कम सीट मिली थी, मगर सीएम का पद नीतीश कुमार को दिया था। एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस के समर्थन में सोशल मीडिया पर ताबड़तोड़ पोस्ट डाले गए। पुणे और मुंबई में पोस्टरबाजी भी हुई। भारी विजय के बाद महायुति में रार से बीजेपी के आलाकमान की भवें तन गईं।

शिवसेना के प्रेशर पॉलिटिक्स से शाह-मोदी नाराज

बीजेपी के बड़े नेताओं ने शिवसेना और एनसीपी को स्पष्ट मैसेज दे दिया है कि महाराष्ट्र में अगली सरकार बीजेपी के नेतृत्व में ही बनेगी। बताया जा रहा है कि अमित शाह और नरेंद्र मोदी भी शिवसेना के प्रेशर पॉलिटिक्स से नाराज हैं। बीजेपी के एक नेता ने बताया कि पांच साल पहले उद्धव ठाकरे ने सीएम पद पर दावेदारी कर गठबंधन को मुश्किल में डाल दिया था। केंद्रीय नेतृत्व नहीं चाहता है कि एकनाथ शिंदे भी उद्धव की तरह संदेश नहीं दें।

नवी मुंबई में जब्त वाहनों की नीलामी 29-30 नवंबर को

नवी मुंबई. नवी मुंबई के तलोजा पुलिस थाने में 29 नवंबर एवं कलंबोली पुलिस स्टेशन में 30 नवंबर को जब्त वाहनों की नीलामी की जाएगी. तलोजा के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रवीण भगत ने बताया कि विभिन्न अपराधों में जब्त किए गए वाहनों की नीलामी 29 नवंबर, 2024 को नवी मुंबई के तलोजा पुलिस स्टेशन परिसर में होगी।

तलोजा पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर विभिन्न अपराधों में प्राप्त 05 दोपहिया और 01 चार पहिया वाहनों सहित कुल 06 लावारिस वाहनों को तलोजा पुलिस स्टेशन के परिसर में एक साथ रखा गया है।

वहीं कलंबोली वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक उन्मेश थिटे ने बताया कि विभिन्न अपराधों में जब्त किए गए वाहनों की नीलामी 30 नवंबर, 2024 को नवी मुंबई के कलंबोली पुलिस स्टेशन के तलोजा पुलिस स्टेशन परिसर में की जाएगी।

कलंबोली पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर विभिन्न अपराधों में प्राप्त 03 दोपहिया, 01 तीन-पहिया रिक्शा, 01 चार पहिया वाहन और 01 ट्रक जैसे कुल 06 परित्यक्त वाहनों को कलंबोली पुलिस स्टेशन के परिसर में एक साथ रखा गया है।

सेशन कोर्ट की अनुमति से इन वाहनों की नीलामी 29 नवंबर को की जाएगी. जो नागरिक खुली नीलामी से वाहन खरीदने के इच्छुक हैं, उन्हें इन वाहनों के बारे में अधिक जानकारी के लिए तलोजा पुलिस स्टेशन के टेलीफोन नंबर 022-27412333/ 9082125141/9870301090 पर और कलंबोली पुलिस स्टेशन के टेलीफोन नंबर 022-27423000/ 9082147899 पर संपर्क करना चाहिए। ऐसी अपील एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से की गई है।

अस्पताल में मरीज की नाबालिग बेटी से यौन शोषण

स्टाफ पर मामला दर्ज

ठाणे. महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक मरीज की 16 साल की बेटी का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के आरोप में एक अस्पताल के एक कर्मचारी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. पुलिस ने मंगलवार को ये जानकारी दी है.

लड़की की मां की शिकायत के आधार पर, पुलिस ने रविवार को भारतीय न्याय संहिता और संरक्षण अधिनियम की धारा 74 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) और धारा 75 (यौन उत्पीड़न) के तहत मामला दर्ज किया. एक अधिकारी ने कहा, कल्याण शहर के एक अस्पताल के एक कर्मचारी के खिलाफ बाल यौन अपराध (POCSO) अधिनियम लगाया गया है.

शिकायत के अनुसार, लड़की की मां को फ्रैक्चर हुआ था और अस्पताल में उनका इलाज किया जा रहा था. तभी ट्रीटमेंट के लिए आने-जाने के दौरान आरोपी की लड़की से दोस्ती हो गई. अधिकारी ने कहा कि व्यक्ति ने कथित तौर पर 20 जुलाई से 18 अक्टूबर के बीच लड़की को गलत तरीके से छुआ और उसका यौन उत्पीड़न किया. उन्होंने बताया कि मामले में अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है.

17 साल से फरार था डकैती-लूट का आरोपी

यूपी पुलिस ने ठाणे से किया गिरफ्तार

ठाणे. उत्तर प्रदेश पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. 17 साल से फरार चल रहे डकैती और लूट के आरोपी को महाराष्ट्र के ठाणे शहर से गिरफ्तार किया गया है. आरोपी सतीश बाबूलाल गुप्ता डकैती और लूट के मामलों में वांछित चल रहा था. यूपी स्पेशल टास्क फोर्स (STF) और ठाणे पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में आरोपी को ठाणे के वागले एस्टेट से पकड़ा गया है.

एजेंसी के अनुसार, एंटी एक्सटॉर्शन सेल के अधिकारी ने बताया कि आरोपी सतीश बाबूलाल गुप्ता उर्फ सतीश तिवारी यूपी के उन्नाव जिले के अल्मापुर गांव का रहने वाला है. साल 2007 में डकैती और लूट के दो मामलों में सतीश गुप्ता मुख्य आरोपी था. तब से पुलिस उसे पकड़ने के लिए लगातार कोशिश कर रही थी, लेकिन सतीश अपने ठिकाने बदलते हुए कानून से बचता रहा. आखिरकार सोमवार शाम महाराष्ट्र के ठाणे शहर में वागले एस्टेट इलाके में उसे पकड़ लिया गया.

ठाणे पुलिस की एंटी-एक्सटॉर्शन सेल और यूपी STF ने संयुक्त अभियान चलाते हुए आरोपी को खोजने के लिए कई स्थानों पर छापेमारी की थी. यह अभियान कई दिनों तक चला, जिसके बाद सतीश को गिरफ्तार किया गया. सतीश पर यूपी में डकैती और लूट के कई गंभीर आरोप हैं. वह न केवल अपराध को अंजाम देता था, बल्कि पुलिस से बचने के लिए ठिकाने भी चतुराई से बदलता रहता था. आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस कई दिनों से प्रयास में थी.

कलवा, मुंब्रा व दिवा परिसर में शुक्रवार को पानी की सप्लाई बंद

ठाणे. महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडल पानी सप्लाई करने वाले बारवी डैम कटाई नाका से मुकंद कंपनी तक पाईप लाईन के दुरुस्तीकरण का काम किया जायेगा।28 नवंबर रात 12 बजे से 29 नवंबर 12 रात तक पानी कलवा,मुंब्रा, दिवा परिसर में पानी की सप्लाई बंद रहेगी।पानी सप्लाई शुरुआत होने के बाद कई घंटे तक कम दबाव से होगा।इसलिए नागरिकों से पानी की व्यवस्था करने के लिए व सदुपयोग करने के लिए मनपा ने आवाहन किया है।

प्रतियोगी परीक्षाओं में सकारात्मक करें प्रयास

ठाणे. केंद्रीय सिविल सर्विस की परीक्षा में सफल होने के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता महत्वपूर्ण है।सभी परीक्षार्थियों के लिए सकारात्मक सोच के साथ सदैव प्रयत्न करना चाहिए।यह बात मुंबई लोहमार्ग पुलिस आयुक्त डॉ. रवींद्र शिसवे ने कहा ठाणे मनपा की ओर से संचालित चिंतामणराव देशमुख प्रशासकीय प्रशिक्षण संस्था व मनपा आयुक्त सौरभ राव के निर्देशानुसार प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता के लिए इस व्यख्यान को आयोजित किया

गया।इस अवसर पर संस्था के संचालक महादेव जगताप ने डॉ. शिसवे का स्वागत किया।साल 2001 के आयपीएस बैच के अधिकारी डॉ. रवींद्र शिसवे ने मुंबई के प्रतियोगिता परीक्षा में भाग लेने वाले परीक्षार्थियों से बात चीत किया।इस परीक्षा में सफलता के लिए सहन शीलता होना चाहिए और नकारात्मक सोच वाले लोगों से दुर रहना चाहिए।समयानुसार निरंतर अभ्यास करें।अभ्यास नोट करते समय शार्ट हैंड कौशल का उपयोग करने के लिए कहा।

एक वर्ष बाद मनपा प्रशासन को आई अवैध निर्माण की याद

3 माह में अवैध निर्माण तोड़े जाएं - अजय वैद्य

भिवंडी. भिवंडी में हुए तमाम अवैध निर्माण, अतिक्रमण को लेकर मनपा प्रशासन सख्त हो गया है.भिवंडी मनपा मुख्यालय सभागृह में प्रशासक व आयुक्त अजय वैद्य की अध्यक्षता में हुई बैठक में अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके, मनपा अतिक्रमण उपायुक्त रोहिदास दोरुलकर, विधि अधिकारी,प्रभाग अधिकारी एवं प्रभाग 1 से 5 के बीट निरीक्षक,

परवाना विभाग प्रमुख आदि मौजूद थे.

गौरतलब हो कि,आयुक्त अजय वैद्य ने सभी प्रभाग अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर के अनधिकृत निर्माणों को आगामी 3 माह में चिन्हित कर जमींदोज करने के लिए 7 दिनों के भीतर ड्राफ्ट तैयार करें. शहर में चल रहे जो निर्माण की जांच की जाए और अनधिकृत पाए जाने पर फौरन तोड़ू एक्शन अंजाम दिया जाए. अनधिकृत निर्माण और अतिक्रमण के मामलों में 'Zero Tolerance' नीति लागू की जाएगी. यदि किसी अधिकारी ने जानबूझकर कार्रवाई में देरी की, तो उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाएगी.न्यायालय द्वारा यथास्थिति बनाए रखने या दिए गए स्टे को संबंधित अधिकारी वीडियो रिकॉर्डिंग और रिपोर्ट देंगे. चुनाव के दौरान लगाए गए अनधिकृत बैनर और होर्डिंग तुरंत हटाए जाएं.वराला तालाब क्षेत्र में हुए अतिक्रमण को तुरंत हटाया जाय.अनधिकृत निर्माणों पर कार्रवाई की साप्ताहिक समीक्षा की जाएगी.

मनपा प्रशासन का नाटक उजागर

जागरूक शहरवासियों का खुला आरोप है कि,1 वर्ष की कुंभकर्णी नींद के बाद मनपा प्रशासन भिवंडी शहर में तेजी से शुरू अवैध निर्माण को लेकर सजग होने का नाटक दिखाना शुरू किया है.शहर में सर्वत्र शुरू अवैध निर्माण का मामला मुख्यमंत्री,उप मुख्यमंत्री, .मानवाधिकार आयोग तक पहुंचने पर मिली फटकार के बाद अब अवैध निर्माण सहित अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कदम उठाने का आदेश मनपा प्रशासक अजय वैद्य ने संबंधित अधिकारियों को दिया है . मनपा अधिकारी अवैध निर्माण में सिर से पांव तक भ्रष्ट गोरखधंधे में लिप्त होकर करोड़ों कमा रहे है .आलम यह है कि,अपने कार्यक्षेत्र की प्रभाग समितियों में शुरू अवैध निर्माण पर कोई एक्शन नहीं लेने की सुपारी वार्ड अधिकारी बिल्डरों से लेते हैं .भ्रष्टाचार में रिकार्ड बना चुके तमाम वार्ड अधिकारी मनपा प्रशासन की आंखों में धूल झोंककर कार्यवाही का झूठा भरोसा देकर मालामाल हो गए जिससे शहर अवैध निर्माण की भेंट चढ़ कर विकास लायक नहीं रहा है .

STAFF REQUIRED
SINDHI MALE
Qualification B.COM PASSED For ACCOUNTANT
&
For SALESMAN Qualification- 10TH PASSED
CONTACT :
MR. RAJESH
Mob. No. : 9307579475

नेपोटिज्म पर कृति सेनन ने तोड़ी चुप्पी

कहा- फिल्म इंडस्ट्री में आउटसाइडर को काम मिलना मुश्किल है, इसके लिए बाहरी लोग जिम्मेदार हैं

कृति सेनन ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में नेपोटिज्म को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा- आउटसाइडर को इंडस्ट्री में मौके मिलना काफी मुश्किल होता है। इस दौरान एक्ट्रेस ने नेपोटिज्म के लिए फिल्म इंडस्ट्री को नहीं, बल्कि बाहरी लोगों को जिम्मेदार बताया।

नेपोटिज्म के लिए फिल्म इंडस्ट्री जिम्मेदार नहीं

कृति सेनन गोवा में 55वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में एक मास्टरक्लास में शामिल हुई थीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि नेपोटिज्म के लिए फिल्म इंडस्ट्री उतनी जिम्मेदार नहीं है, जितने जिम्मेदार मीडिया और ऑडियंस हैं। मीडिया स्टार किड्स के बारे में जो भी दिखाती है उससे ऑडियंस बड़ी दिलचस्पी से देखते है, जिससे फिल्म इंडस्ट्री के लोगों को लगने लगता है

कि ऑडियंस की दिलचस्पी स्टार कि* में ज्यादा है तो उनके साथ फिल्म करना ज्यादा सही रहेगा। मुझे लगता है कि ये एक सर्कल है।

कृति सेनन ने कहा कि अगर आपके अंदर टैलेंट है तो आप कुछ भी कर सकते हो। अगर आप टैलेंटेड नहीं हैं और ऑडियंस से कनेक्ट नहीं कर पा रहे है तो आप कुछ नहीं कर सकते।

'फिल्मी बैकग्राउंड नहीं होने से होती हैं मुश्किल'

कृति सेनन ने आगे कहा- 'जब आप फिल्म इंडस्ट्री के बैकग्राउंड से नहीं होते तो काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। हर चीज में थोड़ा स्ट्रगल है। हालांकि, अगर अच्छे से मेहनत करते हैं तो सक्सेस मिल जाती है।

2014 में किया बॉलीवुड में डेब्यू

कृति सेनन हाल ही में 'दो पत्ती' में नजर आई थीं। फिल्म में उनके साथ शहीर शेख और काजोल भी अहम भूमका में थे। बता दें, कृति सेनन ने साल 2014 में फिल्म हीरोपंती से बॉलीवुड में डेब्यू किया था।

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
Subscribe
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
सब पे नजर, सबकी खबर
Since 1985
Late Shri. ASHOK U. BODHA 18-02-1945 to 19-12-2017
www.ulhasvikas.com
epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha
L.L.B., BMM, MA (PS)

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099